

भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 977
05 दिसंबर, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

मधुमेह के मामले

977. श्री अरुण कुमार सागर:

क्या स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि मधुमेह देश में एक बड़ी बीमारी बन गई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या सरकार ने देश में मधुमेह से पीड़ित लोगों की कुल संख्या जानने के लिए कोई सर्वेक्षण कराया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ग) सरकार द्वारा मधुमेह रोगियों को वहनीय परीक्षण किट उपलब्ध कराने और इस संबंध में जागरूकता बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की "इंडिया: हेल्थ ऑफ द नेशन्स स्टेट्स - 2017" शीर्षक वाली रिपोर्ट के अनुसार, मधुमेह सहित गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) का योगदान समग्र मृत्यु-दर और रोग-भार में 1990 और 2016 के बीच काफी बढ़ गया है।

31 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में आईसीएमआर-इंडिया डायबिटीज (आईसीएमआर-इंडिया बी) द्वारा 20 वर्ष और उससे अधिक आयु के वयस्कों के बीच कराए गए अध्ययन अवधि 2008 से 2021 तक के आंकड़ों के अनुसार मधुमेह का समग्र भारित प्रसार 11.4% था।

(ग): राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) एनपी-एनसीडी के तहत राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहयोग प्रदान करता है। मधुमेह एनपी-एनसीडी का एक अभिन्न अंग है। इस कार्यक्रम के तहत, 770 जिला एनसीडी क्लीनिक और 6410 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा, व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के एक भाग के रूप में एनएचएम के तहत देश में मधुमेह सहित सामान्य एनसीडी की रोकथाम, नियंत्रण और जांच के लिए जनसंख्या-आधारित पहल शुरू की गई है।

इस पहल के तहत, 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को जांच के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से लक्षित किया जाता है।

भारत सरकार ने राष्ट्रीय गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम के माध्यम से मधुमेह के बारे में जागरूकता बढ़ाने और विशेष रूप से निम्न-आय और अल्पसेवित समूहों के बीच शीघ्र परिचर्या को बढ़ावा देने के लिए एक बहुआयामी रणनीति अपनाई है। प्रमुख पहलों में निम्न शामिल हैं:

- i. स्वस्थ जीवनशैली, शीघ्र निदान और मधुमेह की रोकथाम को प्रोत्साहित करने के लिए सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) और व्यवहार परिवर्तन संवाद (बीसीसी) अभियानों के तहत जागरूकता सृजन संबंधी गतिविधियां चलाई जाती हैं।
- ii. एनएचएम के तहत राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को उनके कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं के अनुसार जागरूकता सृजन गतिविधियाँ आयोजित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।
- iii. राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवसों जैसे विश्व मधुमेह दिवस पर प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के माध्यम से मुख्य संदेशों का प्रसार किया जाता है।
- iv. भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण 'ईट राइट इंडिया' और 'आज से थोड़ा कम' जैसी पहलों के माध्यम से स्वस्थ भोजन को बढ़ावा देता है।
- v. युवा कार्य मामले और खेल मंत्रालय 'फिट इंडिया मूवमेंट' और 'खेलो इंडिया' जैसे अभियानों के माध्यम से लोगों में शारीरिक गतिविधि और फिटनेस को बढ़ावा देता है।
- vi. आयुष मंत्रालय सामुदायिक स्तर पर विभिन्न योग आधारित क्रियाकलापों के माध्यम से आरोग्य और निवारक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है।

एनएचएम की निःशुल्क निदान और निःशुल्क औषधि सेवा पहल के अंतर्गत, गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के लिए निःशुल्क परीक्षण किट और आवश्यक दवाएं प्रदान की जाती हैं। 'प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी)' के अंतर्गत, एनसीडी के लिए गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं सभी को किफायती दर पर उपलब्ध कराई जाती हैं। उपचार के लिए सस्ती दवाएं और विश्वसनीय प्रत्यारोपण (अमृत) गैर-संचारी रोगों सहित विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए सस्ती दवाएं प्रदान करता है।
